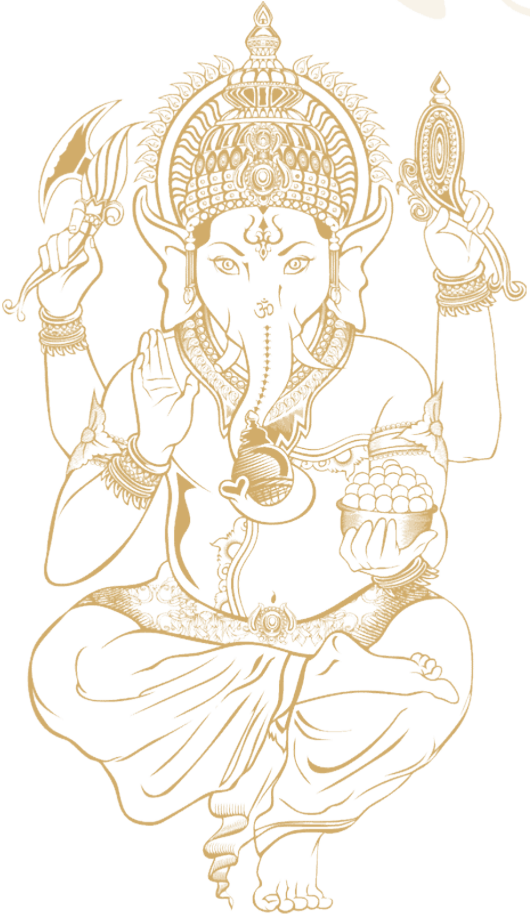

Satyanarayan

21 Jan 2026

05:32 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121004202

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/01/2026**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**17:32:00 घंटे**
इष्ट	25:44:39 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:10:52 घंटे
वेलान्तर	-00:11:14 घंटे
साम्पातिक काल	01:14:20 घंटे
सूर्योदय	07:14:08 घंटे
सूर्यास्त	17:51:02 घंटे
दिनमान	10:36:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	07:13:54 मकर
लग्न के अंश	04:02:54 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	व्यतिपात
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गो-गोपाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	04:02:54	307:30:08	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	---
सूर्य			मक	07:13:54	01:01:04	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	08:35:43	13:00:06	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
मंगल		अ	मक	04:18:31	00:46:43	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	उच्च राशि
बुध		अ	मक	07:07:39	01:40:43	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	24:24:20	00:07:43	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	10:46:12	01:15:25	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	मित्र राशि
शनि			मीन	03:26:36	00:05:13	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	16:51:45	00:03:11	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	16:51:45	00:03:11	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:19:02	00:00:42	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:39:01	00:01:23	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:08:18	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	25:54:20	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : माध्य

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:23

लग्न-चलित

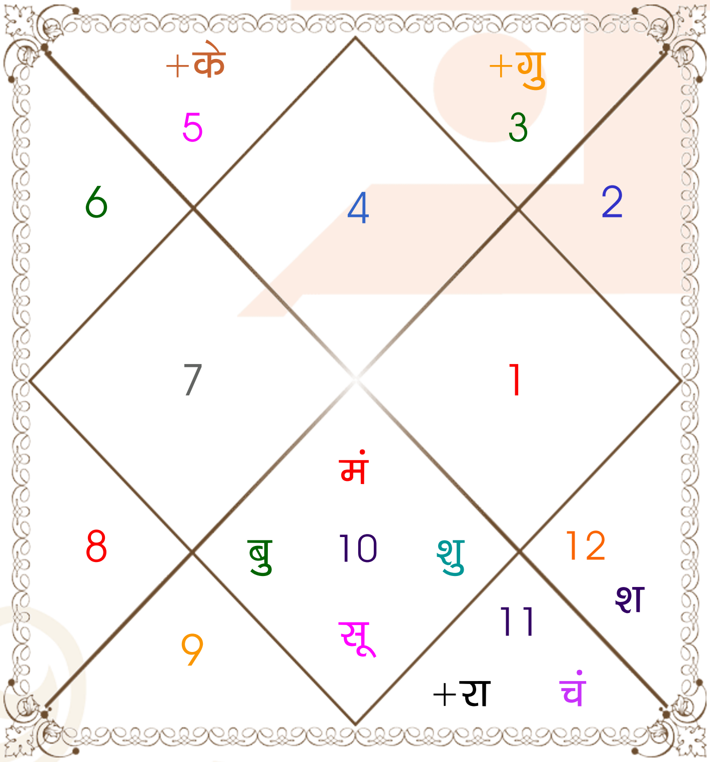

चन्द्र कुंडली

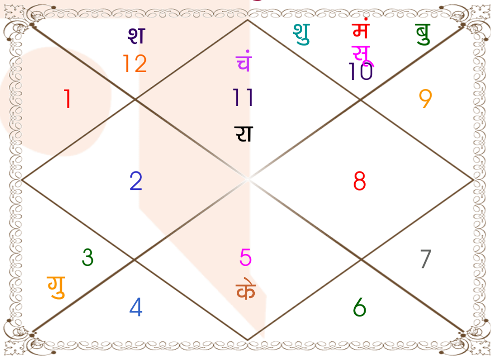

नवमांश कुंडली

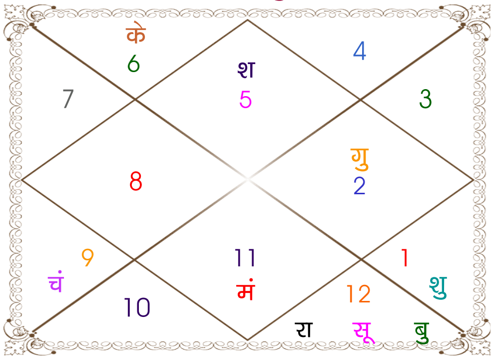

Shree Ramashrya Jyotish Paramarsha Kendra
"Shree Ram Sadan"Sultan Bhawari ke samne,Auditchyawara,Bedla, Udaipur, (Rajasthan)
9314186687
satturicha@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 15 वर्ष 4 मास 23 दिन

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
21/01/2026	**15/06/2041**	**15/06/2057**	**15/06/2076**	**15/06/2093**
15/06/2041	**15/06/2057**	**15/06/2076**	**15/06/2093**	**16/06/2100**
राहु 25/02/2026	गुरु 03/08/2043	शनि 18/06/2060	बुध 11/11/2078	केतु 11/11/2093
गुरु 21/07/2028	शनि 13/02/2046	बुध 26/02/2063	केतु 08/11/2079	शुक्र 11/01/2095
शनि 28/05/2031	बुध 21/05/2048	केतु 06/04/2064	शुक्र 08/09/2082	सूर्य 19/05/2095
बुध 14/12/2033	केतु 27/04/2049	शुक्र 06/06/2067	सूर्य 16/07/2083	चंद्र 18/12/2095
केतु 02/01/2035	शुक्र 27/12/2051	सूर्य 18/05/2068	चंद्र 14/12/2084	मंगल 15/05/2096
शुक्र 02/01/2038	सूर्य 14/10/2052	चंद्र 17/12/2069	मंगल 11/12/2085	राहु 03/06/2097
सूर्य 26/11/2038	चंद्र 13/02/2054	मंगल 26/01/2071	राहु 30/06/2088	गुरु 10/05/2098
चंद्र 27/05/2040	मंगल 20/01/2055	राहु 02/12/2073	गुरु 06/10/2090	शनि 18/06/2099
मंगल 15/06/2041	राहु 15/06/2057	गुरु 15/06/2076	शनि 15/06/2093	बुध 16/06/2100

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
16/06/2100	**16/06/2120**	**16/06/2126**	**16/06/2136**	**16/06/2143**
16/06/2120	**16/06/2126**	**16/06/2136**	**16/06/2143**	**00/00/0000**
शुक्र 16/10/2103	सूर्य 03/10/2120	चंद्र 16/04/2127	मंगल 12/11/2136	राहु 22/01/2146
सूर्य 15/10/2104	चंद्र 04/04/2121	मंगल 15/11/2127	राहु 30/11/2137	00/00/0000
चंद्र 16/06/2106	मंगल 10/08/2121	राहु 16/05/2129	गुरु 06/11/2138	00/00/0000
मंगल 16/08/2107	राहु 04/07/2122	गुरु 15/09/2130	शनि 16/12/2139	00/00/0000
राहु 16/08/2110	गुरु 23/04/2123	शनि 16/04/2132	बुध 12/12/2140	00/00/0000
गुरु 16/04/2113	शनि 04/04/2124	बुध 15/09/2133	केतु 10/05/2141	00/00/0000
शनि 16/06/2116	बुध 08/02/2125	केतु 16/04/2134	शुक्र 10/07/2142	00/00/0000
बुध 16/04/2119	केतु 16/06/2125	शुक्र 16/12/2135	सूर्य 15/11/2142	00/00/0000
केतु 16/06/2120	शुक्र 16/06/2126	सूर्य 16/06/2136	चंद्र 16/06/2143	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 15 वर्ष 4 मा 17 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं कर्क राशि का ही द्रेष्काण उदित था। जिससे यह संकेत मिलता है कि आप संतुलित ढंग से स्वस्थ्य रहकर, आनन्ददायक सुव्यवस्थित एवं उत्तम पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप विद्वान एवं सामाजिक प्रभाव से आदरणीय समझे जाएंगे। आप सुखद एवं मधुरतम जलीय यात्रा करेंगे। आप के जीवन के 36 वें वर्ष से सुन्दर और भाग्यशाली मार्ग प्रशस्त होंगे।

आपमें यह गुण विद्यमान है कि आप अपनी आवश्यकताओं को नियंत्रित रख कर उपयोगिता को पसन्द करते हो। आप विश्वासपूर्ण भावनाओं से विभिन्न प्रकार से अन्य लोगों की सहायता करोगे। आप धर्मशास्त्र एवं दर्शनशास्त्र का अध्ययन करेंगे तथा भगवान के प्रति समर्पित आस्थावान होंगे। आपको धर्मस्थलों/धार्मिक तीर्थों का भ्रमण करने का सौभाग्य प्राप्त होगा एवं परोपकारी सेवक बन कर सामाजिक कार्य करेंगे। आप दुर्भावनाओं को त्यागकर, धन संचय करने की महत्त्वकांक्षा से प्रेरित रहेंगे। यह संभव है कि आप सभी प्रकार से परिवारिक सदस्यों की सुख सुविधा की व्यवस्था करेंगे।

आप शारीरिक रूप से लम्बे, उन्नत ललाट एवं सुस्पष्ट आँखों से युक्त होंगे। आपकी मनोवृत्ति क्षमतानुसार एवं अवस्थानुसार अग्रसर होगी। आप उन्नति के लिए एक कड़ी के साथ-साथ दूसरी कड़ी भी प्रारम्भ कर सकते हैं।

आपमें ऐसा गुण एवं सामंजस्य विद्यमान है कि आप जन-सामान्य की भावना को तथा परिस्थितियों को विधिवत समझ कर उचित सामंजस्य कर देते हो। परन्तु आप बहुत अधीर हो जाते हो। परिणाम स्वरूप आपका स्वभाव विकृत होकर, हानिप्रद प्रमाणित हो जाता है। यह आवेग क्षणिक है, तथापि शीघ्रतापूर्वक शान्त होकर तेजी से समान्य मनोवृत्ति ग्रहण कर लेते हैं।

आप धनोपार्जन हेतु कुछ विभिन्न प्रकार की पद्धति एवं उपायों का अनुसरण कर लेते हैं। यह सुनिश्चित है कि सतत आप में अन्तर्वाही चतुरता विद्यमान रहेगी।

आपको अपने रोमांचित जीवन के प्रति सचेत रहना चाहिए। आप पूर्णरूपेण उदासीन भाव से अपनी पत्नी से सम्बंधित रहेंगे। बल्कि आप उदासीन रहकर अपना पारिवारिक जीवन बिताएंगे।

आप अपना विवाह सुयोग्य गृहणी के साथ करने की प्राथमिकता देंगे ताकि अच्छे सन्तान का उद्भव हो सके। लेकिन आपके लिए उत्तम तो यह है कि अपनी दिनचर्या स्पष्ट रखें तथा अपना घरेलू जीवन, जीवन संगीनी के लिए आलोचनात्मक न बन सके।

कर्क राशीय प्रवृति के अनुसार आपके स्वभानुकूल वह प्राणी होगा जिसका जन्म मीन अथवा वृश्चिक लग्न राशि में हुआ हो। आपके किशोरावस्था के लिए रोजगार, व्यवसाय अथवा अनुकूल पेशा-वृति नौसेना, सामुदायिक व्यवस्था आयात-निर्यात सिचाई एवं कृषि कार्य उत्तम रहेगा।

संभवतः आपका स्वास्थ्य एवं जीवन अक्षुण नही रहेगा। परन्तु अवस्था की वृद्धि के अनुसार समस्याएँ सुधर कर उत्तम हो जाएगी। आप सदैव ही चिन्तित एवं कुतुहलयुक्त (घबराहट) रहेंगी। अतः आप इन प्रवृतियों को त्याग कर शान्तिपूर्वक रहे और खान-पान पर नियंत्रण रक्खें। मद्यपान का सर्वथा त्याग करे।

आपको कतिपय रोग जैसे गैसस्टिक, अलसर खाँसी सम्बंधी गड़बड़ी एवं गठिया सन्धिबात रोगादि से रक्षित रहना चाहिए।

आपके लिए रंग पीला, लाल, एवं सफेद रंग अनुकूल है। यह समझ लें कि रंग हरा एवं ब्लू रंग आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 3 एवं 5 अंक आपकी उपयोगिता के प्रतिकूल है। अस्तु इनका त्याग करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।